सफलता की कहानी

स्कीम : ईडीपीएस स्कीम

कार्यक्रम का नाम : फुड प्रोसेसिंग विषय पर आयोजित ईएसडीपी .

प्रशिक्षण अवधि : दिनांक 13–1–2014 से 03–03–2014

प्रशिक्षणार्थी का नाम : श्री नरेश जैन

पिता का नाम : श्री कैलाश चंद्र जैन

पता : शुभ बेकरी , भारतीय स्टेट बैंक के पास, इंदौर नाका, देपालपुर (म.प्र.)

मोबाईल नं. : 9893635550

पारिवारिक पृष्ठभूमि :

श्री नरेश जैन का जन्म मध्यप्रदेश के छोटे कस्बे देपालपुर में सन् 1982 में अल्पसंख्यक वर्ग के मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था । इनके पिताजी की जीविका कृषि व्यवसाय से जुड़ी थी , जिसके चलते इनकी पारिवारिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रही । नरेश जैन से बड़ी एक बहन है एवं छोटा एक भाई भी है । निम्न आर्थिक स्थिति की वजह से बड़ी बहन और छोटे भई की जिम्मेदारियों का भार भी इन पर था । पारिवारिक जिम्मेदारियों एवं आर्थिक स्थिति के बावजूद श्री नरेश ने बी.ए.फाईनल तक अपनी शिक्षा पूर्ण की । श्री नरेश को अपनी आर्थिक स्थिति से उबरने के लिए अपने स्वयं का काम करने की इच्छा प्रारम्भ से ही मन में रही थी , जिसके लिए वे समय–समय पर जानकारी प्राप्त करने के प्रयास करते रहे । इसी बीच उन्हें एमएसएमई विकास संस्थान, इंदौर के बारे में पता चला और उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए भ्रमण किया ।

ईएसडीपी कार्यक्रम के संबंध में :–

भारत सरकार
Government of India
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises
MSME-Development Institute, Indore
प्रतिभागिता प्रमाण पत्र
CERTIFICATE OF PARTICIPATION
(कौशल विकास कार्यक्रम/Skill Development Programme)
This is to certify that Shri/Ku./Smt. NARESH JAIN
Mother's Name Smt. INDRA JAIN
Father's /Husband's Name Shri KAILASH JAIN
has participated in Entrepreneurship cum Skill Development Programme (ESDP)
on FOOD PROCESSING
organised by MSME-Development Institute, Indore at INDORE
District INDORE from 13.01.2014 to 03.03.2014
During this period his/her conduct was found satisfactory.
स्थान/PLACE INDORE
दिनांक/DATE 25/3/14
निदेशक
DIRECTOR

उनकी स्वयं के रोजगार की इच्छा को साकार होने की संभावना को तब बल मिला , जब उन्होंने दैनिक भास्कर इंदौर समाचार पत्र में एमएसएमई विकास संस्थान, इंदौर द्वारा आयोजित किए जाने वाले ''फुड प्रोसेसिंग'' विषय पर आधारित ईएसडीपी कार्यक्रम का विज्ञापन देखा । इसके संदर्भ में उन्होंने कार्यालय में संपर्क कर अपना आवेदन श्री वी.एम.क्षीरे, सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में जमा करवाया । उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम में चयन पश्चात उन्होंने दिनांक 13–1–14

से संस्थान के परिसर में स्थित टीपीडीसी लेब में ईएसडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया । उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्ण सक्रियता एवं तत्परता से अतिथि वक्ताओं एवं संस्थान के अधिकारियों द्वारा सत्र के दौरान फुड प्रोसेसिंग एवं शासकीय योजनओं पर दी गई जानकारियों को समझा साथ ही फुड प्रोसेसिंग आधारित प्रायोगिक प्रदर्शनों पर बहुत रूचि से अभ्यास कार्य किया । श्री नरेश को प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर संस्थान द्वारा प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र संख्या एमएसएमई/इंदौर/आईएनडी/ईएसडीपी/13–14/39924 दिनांक 25–3–14 प्रदान किया गया ।

स्वयं का उद्योग स्थापित करना :–

एमएसएमई से प्राप्त प्रशिक्षण के उपरान्त श्री नरेश के आत्मविश्वास एवं संकल्प शक्ति को बहुत बल मिला और

उन्होंने फुड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में ही अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने का निर्णय लिया । संस्थान के अधिकारियों के द्वारा समय –समय पर प्राप्त मार्गदर्शन एवं पारिवारिक मित्रों एवं रिश्तेदारों से प्राप्त आर्थिक सहायता से श्री नरेश ने रू. 4500/– प्रतिमाह किराए पर एक छोटी सी दुकान से बेकरी आयटम्स उत्पादिक करने का व्यवसाय प्रारम्भ किया । प्रारम्भिक तौर पर उनके द्वारा रू. 5.00 लाख रूपये का निवेश किया गया । बेकरी उत्पादों के निर्माण में आवश्यक मशीनरी उन्होंने इंदौर एवं अहमदाबार के मार्केट से सेकेण्ड हेन्ड मशीनरी क्रय की । शुभ बेकरी के नाम से स्थापित अपने व्यवसाय में उन्होंने प्रारम्भ में केक, बेक समोसा , क्रीम रोल और ब्रेड जैसे उत्पादों का निर्माण प्रारम्भ किया , जिसे मार्केट में उसकी गुणवत्ता और स्वाद के चलते अच्छा प्रतिसाद प्राप्त हुआ । व्यवसाय के बढ़ने पर उन्होंने अपने साथ अपनी पत्नी और छोटे भाई को भी उद्योग में स्थापित किया साथ

ही अन्य 02 कर्मचारियों को भी रोजगार प्रदान किया । श्री नरेश अपने स्वयं के व्यवसाय से अत्यधिक प्रसन्न एवं संतुष्ट हैं एवं उनके द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार उन्हें सभी अन्य खर्च को वहन करने के बाद लगभग 30,000/– प्रतिमाह की शुद्ध आमदनी प्राप्त हो रही है । श्री नरेश ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके व्यवसाय के दिन–प्रतिदिन वृद्धि की की पूरी उम्मीद है । श्री नरेश ने अपने उद्योग का आधार पंजीयन प्राप्त किया है ।

श्री नरेश अपनी उक्त सफलता के लिए ईएसडीपी कार्यक्रम में भाग लेने, एमएसएमई विकास संस्थान के अधिकारियों से विभिन्न पहलूओं पर प्राप्त मार्गदर्शन को श्रेय देते हैं एवं धन्यवाद करते हैं । श्री नरेश एमएसएमई डीआई, इंदौर द्वारा समय –समय पर आईपीआर, आईएसओ, एक्सपोर्ट मार्केटिंग, प्रॉडक्ट सर्टिफिकेशन, बार कोड, इत्यादि पर आयोजित कार्यशालाओं एवं जागरूकता कार्यक्रमों में नियमित भाग लेते हैं एवं अपने उद्योग को और अधिक उन्नत करने के लिए संस्थान के अधिकारियों से समय–समय पर मार्गदर्शन भी प्राप्त करते हैं ।

****